FICCI CASCADE 10 GLORIOUS YEARS

Awareness Programme on

Preventive Strategies to Combat Counterfeiting and Smuggling

6 December 2022, Patna

MEDIA COVERAGE

Millennium Post

the financial institution. AGENCIES Enterprise and Service Hubs the ministry to reconsider those country. However, these zones five years, 50 per cent for the

Govt suffers tax loss of Rs 58,521 cr due to illicit trade in 5 key industries: FICCI

Packaged foods, alcoholic beverages and tobacco products cause maximum revenue loss to exchequer

PATNA: FICCI CASCADE has recently released a report examining illicit market in 5 Key Indian industries, including mobile phones, FMCG-household and personal goods, FMCG-packaged foods, tobacco products, and alcoholic beverages. According to the report, the size of illicit market in the above-mentioned industries was Rs. 2,60,094 crore for the year 2019-20, with the FMCG industry — household and personal goods, and packaged foods — together accounting for 3/4th of the total illicit value of goods in five key industries.

The report further estimates that unlawful trade in the five above-mentioned industries results in a total estimated legitimate employment loss of 15.96 lakh. The estimated tax loss to the government due to illicit goods in these industries is Rs. 58,521 crore, with two highly regulated and taxed industries, tobacco products, and alcoholic beverages, accounting for nearly 49 per cent of the overall tax loss.

Samir Kumar Mahaseth, Industry Minister, Government of Bihar on Tuesday said, "The problem of counterfeiting and smuggling is complex in nature. With no legal regulation and very little recourse, consumers are at risk from unsafe and ineffective products." It is important that consumers understand the multi-faceted complexities of this problem. Youth are the consumers of tomorrow, who can encourage and bring about the required change through their choices and behaviours, he added.

Addressing the FICCI CASCADE (Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy) programme on 'Preventive Strategies to Combat Counterfeiting and Smuggling' Mr Mahaseth emphasized that educating and generating awareness about the ill effects of counterfeiting and smuggling is the need of hour to combat this global scourge. He further suggested FICCI CASCADE to organize such youth awareness program in Bihar more frequently to motivate the youth of the state in achieving our objective in making India free from illicit trade. "Smuggling and Counterfeiting are more dangerous than life threatening diseases like Cancer and COVID", he added.

Dipak Kumar Singh, Additional Chief Secretary, Department of Education, Government of Bihar said, "Uninhibited growth of counterfeiting and smuggling not only impact the economy of our country but also poses severe threat to public health and safety." Smuggling and counterfeiting leads to tax evasion which further slows down the pace of development of the country. He also emphasized the need to take a bill while making any purchase, to act as proof of purchase.

P C Jha, Advisor, FICCI CASCADE and Former Chairman, Central Board of Indirect Taxes & Customs said, "Illicit trade is of grave concern, it undermines the nation's economy, damages brand integrity, and most importantly affects health and safety of the citizens which needs to be addressed on an urgent basis. During the last twenty years, the volume of counterfeiting activity globally has increased 100 times and the size of trade is 10 per cent of the legal international trade (around 2 per cent of the world's overall economic output). The problem of illicit trade is much more serious than it is commonly perceived."

Rajiva Ranjan Verma, Former Director General, RPF, NCRB, Civil Defense, Home Guard & Fire Services and BPR&D said, "Raising awareness is an important aspect of combating illicit trade in terms of smuggling and counterfeiting which needs to be pursued vigorously." The role of youth is paramount in battling the menace of smuggling and counterfeiting, he noted. MPOST

Zee News

ZEE NEWS

NEWS | COVID-19 | VIDEOS | PHOTOS

LIVE TV LATEST NEWS INDIA MY MONEY FIFA WORLD CUP ENTERTAINMENT SPORTS LIFESTYLE BUSINESS WORLD MOBILITY VIRAL NEWS

Smuggling, counterfeiting more dangerous than cancer, COVID: Bihar minister Samir Kumar Mahaseth

"With no legal regulation and very little recourse, consumers are at risk from unsafe and ineffective products," he said.

Last Updated: Dec 06, 2022, 04:03 PM IST | Source: IANS

Trending Photos

ChatGPT

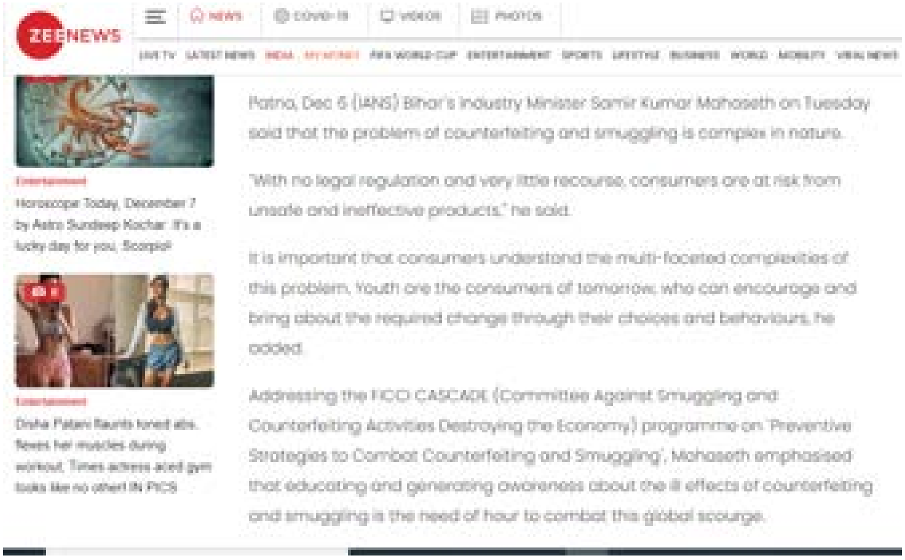

ZEE NEWS

NEWS | COVID-19 | VIDEOS | PHOTOS

LIVE TV LATEST NEWS INDIA MY MONEY FIFA WORLD CUP ENTERTAINMENT SPORTS LIFESTYLE BUSINESS WORLD MOBILITY VIRAL NEWS

Entertainment

Horoscope Today, December 7 by Astro Sundeep Kochar: It's a lucky day for you, Scorpio!

Entertainment

Disha Patani flaunts toned abs, flexes her muscles during workout, Times actress aced gym looks like no other! IN PICS

Patna, Dec 6 (IANS) Bihar's Industry Minister Samir Kumar Mahaseth on Tuesday said that the problem of counterfeiting and smuggling is complex in nature.

"With no legal regulation and very little recourse, consumers are at risk from unsafe and ineffective products," he said.

It is important that consumers understand the multi-faceted complexities of this problem. Youth are the consumers of tomorrow, who can encourage and bring about the required change through their choices and behaviours, he added.

Addressing the FICCI CASCADE (Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy) programme on 'Preventive Strategies to Combat Counterfeiting and Smuggling', Mahaseth emphasised that educating and generating awareness about the ill effects of counterfeiting and smuggling is the need of hour to combat this global scourge.

Aaj

कैंसर और कोविड बीमारियों से ज्यादा खतरनाक है तस्करी एवं जालसाजी :उद्योग मंत्री

(आज समाचार सेवा)

पटना। उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा कि कैंसर और कोविड बीमारियों से ज्यादा खतरनाक तस्करी और जालसाजी है। आज के युवा कल के उपभोक्ता है। जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते है।

फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित कार्यक्रम जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति को संबोधित करते हुए श्रीमहासेठ ने जोर देकर कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिहार में उत्पादन किसी भी वस्तु का नहीं होता है। जो भी बाजारों में वस्तु उपलब्ध है, वो बिहार के बाहर का है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा जो कार्य किये जा रहे है, वो बहुत-ही अच्छी पहल है। लेकिन, इसे थोड़ा तेजी से काम करने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने आग्रह किया है कि स्कूलों के पाठ्यक्रम में इसको जोड़ा जाएं। संस्था द्वारा जागरूक करना बहुत अच्छा पहल है। उन्होंने कहा कि भारत को अवैध व्यापार से मुक्त बनाने के लिए समय-समय पर संस्था द्वारा कार्यक्रम आयोजित होती रहनी चाहिए।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने बताया कि नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का बेरोकटोक बढ़ना न केवल देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसके साथ ही सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। तस्करी और जालसाजी से टैक्स चोरी होती है। जिससे देश के विकास की रफ्तार धीमी कर देती है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता कोई भी वस्तु खरीदें तो उसका बिल जरूर लें। उन्होंने कहा कि समय-समय पर मिठाई और पनीर की दुकानों में छापेमारी होती रहती है। जो लोग ऐसे पदार्थ बनाते है, उससे बड़ा शत्रु कोई और नहीं हो सकता। क्योंकि, ये पदार्थ को खाने से लोगों को सेहत पर बुरा असर पड़ता है। जिससे बीमार हो जाते है। कोई भी वस्तु अगर मार्केट में सस्ती दरों पर बिक रही है, तो उसे परखें। उन्होंने कहा कि स्कूलों में बच्चों को शनिवार को पढ़ाई नहीं होती। इस दिन स्कूलों में बच्चों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन होता है। इससे बच्चे अपने अंदर की प्रतिभा को दिखाएं। बच्चों के लिए तरंग कार्यक्रम भी शुरुआत की गई थी। यह कार्यक्रम शिक्षा विभाग की ओर से किया गया था।

फिक्की कास्केड के सलाहकार पीसी झा ने कहा कि अवैध व्यापार चिंता का विषय है। यह देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है। ब्रांड की पहचान को नुकसान पहुंचाता है। इससे निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। इसके अलावे पूर्व महानिदेशक राजीव रंजन वर्मा ने भी विचार व्यक्त किये।

पिछले दिनों 40 से अधिक स्कूलों में तस्करी और जालसाजी से भारत को मुक्त बनाने को लेकर विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विजेताओं को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल के तन्नू कुमार, द्वितीय स्थान पर गवर्नमेंट आरजीएसएस स्कूल के सिमा भारती एवं गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के अभिषेक राज को पुरस्कृत किया गया। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान इंद्र प्रसाद सिंह गंगूभरती हाई सेकेंडरी स्कूल के राधिका कुमारी, द्वितीय स्थान पर कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल के सुहि रचना एवं तीसरे स्थान पर मिलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सागर कुमार है एवं जिंगल लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर केजी सहाय शेखपुरी के जॉनसन कुमार, द्वितीय स्थान पर रवीन्द्र बालिका विद्यालय के रोशनी कुमारी एवं तीसरे स्थान पर गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मनीष कुमार है।

Dainik Jagran

20 वर्षों में 100 गुना बढ़ी जालसाजी की गतिविधियां

जालसाजी एवं तस्करी से निपटने के लिए जागरूकता कार्यक्रम में सम्मानित किए गए बच्चे, उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ, अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह व अन्य। • जागरण

- अवैध व्यापार वैध का 10 प्रतिशत है विश्व व्यापार में दो ट्रिलियन हिस्सा
- उद्योग मंत्री तथा अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार भी हुए शामिल

जागरण संवाददाता, पटना : अवैध व्यापार देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है। 20 वर्षों में वैश्विक स्तर पर जालसाजी की गतिविधियां 100 गुना बढ़ी हैं। वैश्विक वैध व्यापार का हिस्सा 10 प्रतिशत है। उक्त बातें फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहीं। एलएन मिश्रा इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक डेवलपमेंट के सभागार में अर्थव्यवस्था को नष्ट करने में तस्करी और जालसाजी की भूमिका पर बोल रहे थे। वित्तीय वर्ष 2019-20 में कराए गए सर्वे के आधार पर बताया कि मोबाइल फोन, अल्कोहल, पैकेज फूड सहित पांच प्रोडक्ट में ही 58 हजार करोड़ रुपये का नुकसान केंद्र व राज्य सरकार को हुआ। आरपीएफ, एनसीआरबी, नागरिक सुरक्षा, होम गार्ड एवं अग्निशमन सेवाएं व बीपीआरएंडडी के पूर्व महानिदेशक राजीव रंजन वर्मा ने कहा कि जागरूकता तस्करी और जालसाजी से जुड़े अवैध व्यापार से निपटने में अहम है।

कैंसर और कोविड से भी ज्यादा खतरनाक है : उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा कि जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। हम अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव लाकर इसपर प्रभावी रोक लगा सकते हैं।

भाषण प्रतियोगिता

- प्रथम - तन्नू कुमारी, कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल
- द्वितीय - सिया भारती, गवर्नमेंट आरजीएसएस स्कूल, बांकीपुर
- तृतीय - अभिषेक राज, गवर्नमेंट ब्वायज सीनियर सेकेंडरी स्कूल

पेंटिंग प्रतियोगिता

- प्रथम - राधिका कुमारी, इंद्र प्रसाद सिंह गंगस्थली हाई सेकेंडरी स्कूल
- द्वितीय - सृष्टि रचना, कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल
- तृतीय - सागर कुमार, डीपीसीएसएस, मिलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल

जिंगल लेखन प्रतियोगिता

- प्रथम - ज्ञानरत्न कुमार, केबी सहाय शेखपुरी
- द्वितीय - रोशनी कुमारी, रविंद्र बालिका विद्यालय,
- तृतीय - मनीष कुमार, राजकीय बालक सीनियर

Deshpran

कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से भी ज्यादा खतरनाक है तस्करी और जालसाजी : समीर कुमार महासेठ

पटना। समीर कुमार महासेठ, उद्योग मंत्री, बिहार सरकार ने कहा, जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित कार्यक्रम जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति को संबोधित करते हुए श्री महासेठ ने जोर देकर कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने भारत को अवैध व्यापार से मुक्त बनाने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए फिक्की कास्केड को समय - समय पर बिहार में ऐसे युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया।

Hindustan

'कैंसर से भी खतरनाक है तस्करी और जालसाजी'

पटना, कार्यालय संवाददाता। उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा कि जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। यह बातें उद्योग मंत्री ने फिक्की कास्केड की ओर से एलएन मिश्रा संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा तस्करी और जालसाजी कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से कहीं ज्यादा खतरनाक है। शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहा कि अवैध व्यापार गंभीर चिंता का विषय है।

I-Next

20 सालों में बढ़ी जालसाजी की गतिविधियां

PATNA: 20 वर्षों में वैश्विक स्तर पर जालसाजी की गतिविधियां 100 गुना बढ़ी है. वैश्विक वैध व्यापार का हिस्सा 10 प्रतिशत है. ये बातें फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कही. एलएन मिश्रा इंस्टीट्यूट आफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट के सभागार में अर्थव्यवस्था को नष्ट करने में तस्करी और जालसाजी की भूमिका पर बोल रहे थे. वित्तीय वर्ष 2019-20 में कराए गए सर्वे के आधार पर बताया कि मोबाइल फोन, अल्कोहल, पैकेज फूड सहित पांच प्रोडक्ट में ही 58 हजार करोड़ रुपये का नुकसान केंद्र व राज्य सरकार को हुआ. आरपीएफ, एनसीआरबी व बीपीआरएंडडी के पूर्व महानिदेशक राजीव रंजन वर्मा ने कहा कि जागरूकता तस्करी और जालसाजी से जुड़े अवैध व्यापार से निपटने में अहम है.

NavBihar Times

कैंसर और कोविड जैसी बीमारियों से भी ज्यादा खतरनाक तस्करी और जालसाजी : समीर कुमार महासेठ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। समीर कुमार महासेठ, उद्योग मंत्री ने कहा जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित कार्यक्रम जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति को संबोधित करते हुए श्री महासेठ ने जोर देकर कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और

जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने भारत को अवैध व्यापार से मुक्त बनाने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए फिक्की कास्केड को समय - समय पर बिहार में ऐसे युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा तस्करी और जालसाजी कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से कहीं ज्यादा खतरनाक है। दीपक कुमार सिंह, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार ने कहा, नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का बैरोकटोक बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। तस्करी और जालसाजी से टैक्स चोरी होती है जो देश के विकास की गति को और धीमा कर देती है। उन्होंने कोई भी खरीदारी करते समय बिल लेने की जरूरत पर जोर दिया ताकि खरीद के सबूत के तौर पर उसका प्रयोग हो सके। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पी सी झा ने कहा, अवैध व्यापार गंभीर चिंता का विषय है। यह देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है, ब्रांड की पहचान को नुकसान पहुंचाता है और सबसे अहम बात कि यह नागरिकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को प्रभावित करता है। इससे निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। पिछले बीस वर्षों में वैश्विक स्तर पर जालसाजी की गतिविधियां 100 गुना बढ़ी हैं और यह अवैध व्यापार इस समय वैश्विक वैध व्यापार का 10 प्रतिशत (दुनिया के समग्र आर्थिक उत्पादन का लगभग 2 प्रतिशत) है। अवैध व्यापार की समस्या आमतौर पर समझी जाने वाली समस्या से कहीं अधिक गंभीर है। राजीव रंजन वर्मा, आईपीएस, पूर्व महानिदेशक, आरपीएफ, एनसीआरबी, नागरिक सुरक्षा, होम गार्ड एवं अग्निशमन सेवाएं व बीपीआरएंडडी ने कहा, जागरूकता बढ़ाना तस्करी और जालसाजी से जुड़े अवैध व्यापार से निपटने में अहम है जिस पर मजबूती से बढ़ना होगा। तस्करी और जालसाजी के खतरे से निपटने में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि है।

Nayi Baat

कैंसर व कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से भी ज्यादा खतरनाक है तस्करी और जालसाजी

पटना , ब्यूरो।

समीर कुमार महासेठ, उद्योग मंत्री, बिहार सरकार ने कहा, जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है।

उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित कार्यक्रम जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति को संबोधित करते हुए श्री महासेठ ने जोर देकर कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने भारत को अवैध व्यापार से मुक्त बनाने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए फिक्की कास्केड को समय - समय पर बिहार में ऐसे युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, तस्करी और जालसाजी कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से कहीं ज्यादा खतरनाक है।

दीपक कुमार सिंह, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार ने कहा, नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का बेरोकटोक बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। तस्करी और जालसाजी से टैक्स चोरी होती है जो देश के विकास की गति को और धीमा कर देती है। उन्होंने कोई भी खरीदारी करते समय बिल लेने की जरूरत पर जोर दिया ताकि खरीद के सबूत के तौर पर उसका प्रयोग हो सके।

फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पी सी झा ने कहा, अवैध व्यापार गंभीर चिंता का विषय है। यह देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है, ब्रांड की पहचान को नुकसान पहुंचाता है और सबसे अहम बात कि यह नागरिकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को प्रभावित करता है।

सम्मानित छात्रों के बीच उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ। ● (नई बात)

विजेता भाषण प्रतियोगिता

प्रथम - तन्नू कुमारी, कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल, **द्वितीय** - सिया भारती, गवर्नमेंट आरजीएसएस स्कूल, बांकीपुर, **तृतीय** - अभिषेक राज, गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल

विजेता पेंटिंग प्रतियोगिता :-

प्रथम -राधिका कुमारी, इंद्र प्रसाद सिंह गंगस्थली हाई सेकेंडरी स्कूल, **द्वितीय** - सृष्टि रचना, कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल, **तृतीय**- सागर कु0, डीपीसीएसएस (मिलर) सीनियर सेकेंडरी स्कूल।

■ **युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं**

विजेता भाषण प्रतियोगिता

विजेता जिंगल लेखन प्रतियोगिता

प्रथम - जॉनसन कुमार, केबी सहाय शेखपुरी, **द्वितीय** - रोशनी कुमारी, रबिंद्र बालिका विद्यालय,

तृतीय - मनीष कुमार, गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल।

Prabhat Khabar

तस्करी के दुष्प्रभावों की शिक्षा जरूरी : महासेठ

अंतर विद्यालयी प्रतियोगिता के विजेता स्कूली बच्चे सम्मानित

संवाददाता, पटना

जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है. कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है. ये बातें उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने मंगलवार को कहीं.

फिक्की कास्केड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समीर महासेठ ने कहा कि यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें. आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं. महासेठ ने कहा कि इस वैश्विक संकट से निबटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है. इस मौके पर उद्योग मंत्री ने तस्करी और जालसाजी से भारत को मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर फिक्की कास्केड द्वारा आयोजित अंतर विद्यालयी प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को भी सम्मानित किया. प्रतियोगिता में पटना के 40 से अधिक स्कूलों के छात्रों की भागीदारी रही.

विजेताओं के साथ उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ.

इन्हें किया गया सम्मानित

विजेता भाषण प्रतियोगिता :
प्रथम : तन्नू कुमारी, कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल
द्वितीय : सिया भारती, गवर्नमेंट आरजीएसएस स्कूल, बांकीपुर
तृतीय : अभिषेक राज, गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल

पेंटिंग प्रतियोगिता :
प्रथम : राधिका कुमारी, इंद्र प्रसाद सिंह गंगस्थली हाइ सेकेंडरी
द्वितीय : सृष्टि रचना, कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल
तृतीय : सागर कुमार, डीपीसीएसएस (मिलर) सीनियर सेकेंडरी स्कूल

जिंगल लेखन प्रतियोगिता :
प्रथम - जॉनसन कुमार, बेबी सहाय शेखपुरी
द्वितीय - रोशनी कुमारी, रवींद्र बालिका विद्यालय
तृतीय - मनीष कुमार, गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल

Pragati India

कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से भी ज्यादा खतरनाक है तस्करी और जालसाजी : समीर कुमार महासेठ

प्रगति इंडिया संवाददाता

पटना, 06 दिसंबर 2022 : समीर कुमार महासेठ, उद्योग मंत्री, बिहार सरकार ने कहा, " जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित कार्यक्रम जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति को संबोधित करते हुए श्री महासेठ ने जोर देकर कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने भारत को अवैध व्यापार से मुक्त बनाने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए फिक्की कास्केड को समय - समय पर बिहार में ऐसे युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, तस्करी और जालसाजी कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से कहीं ज्यादा खतरनाक है।

दीपक कुमार सिंह, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार ने कहा, नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का मेरोकटोक बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। तस्करी और जालसाजी से टैक्स चोरी होती है जो देश के विकास की गति को और धीमा कर देती है। उन्होंने कोई भी खरीदारी करते समय बिल लेने की जरूरत पर जोर दिया ताकि खरीद के सबूत के तौर पर उसका प्रयोग हो सके।

फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पी सी झा ने कहा, अवैध व्यापार गंभीर चिंता का विषय है। यह देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है, ब्रांड की पहचान को नुकसान पहुंचाता है और सबसे अहम बात कि यह नागरिकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को प्रभावित करता है। इससे निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। पिछले बीस वर्षों में वैश्विक स्तर पर जालसाजी की गतिविधियां 100 गुना बढ़ी हैं और यह अवैध व्यापार इस समय वैश्विक वैध व्यापार का 10 प्रतिशत (दुनिया के सकल आर्थिक उत्पादन का लगभग 2 प्रतिशत) है। अवैध व्यापार की समस्या आमतौर पर समझी जाने वाली समस्या से कहीं अधिक गंभीर है।

राजीव रंजन वर्मा, आईपीएस, पूर्व महानिदेशक, आरपीएफ एनसीआरबी, नागरिक सुरक्षा, होम गार्ड एवं अग्निशमन सेवाएं व बीपीआरएंडडी ने कहा, जागरूकता बढ़ाना तस्करी और जालसाजी से जुड़े अवैध व्यापार से निपटने में अहम है, जिस पर मजबूती से बढ़ना होगा। तस्करी और जालसाजी के खतरे से निपटने में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि है।

कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्री ने तस्करी और जालसाजी से भारत को मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर फिक्की कास्केड द्वारा आयोजित अंतर - विद्यालयी प्रतियोगिता के विजेता स्कूली बच्चों को भी सम्मानित किया। प्रतियोगिता में पटना के 40 से अधिक स्कूलों के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

विजेता भाषण प्रतियोगिता : -

प्रथम - तन्नू कुमारी, कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल, द्वितीय - शिवा भारती, गवर्नमेंट आरजीएसएस स्कूल, बांकीपुर, तृतीय - अभिषेक राज, गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल

विजेता पेंटिंग प्रतियोगिता :-

प्रथम - राधिका कुमारी, इंद्र प्रसाद सिंह गंगस्थली हाई सेकेंडरी स्कूल, द्वितीय - सृष्टि रचना, कमला नेहरू गर्ल्स स्कूल, तृतीय - सागर कुमार, डीपीसीएसएस (मिलर) सीनियर सेकेंडरी स्कूल

विजेता :- जिंगल लेखन प्रतियोगिता :-

प्रथम - जीतमान कुमार, केन्द्री सहाय शेखपुरी, द्वितीय - रोशनी कुमारी, रविंद्र बालिका विद्यालय,

तृतीय - मनीष कुमार, गवर्नमेंट बॉयज सीनियर सेकेंडरी स्कूल

Rashtriya Khabar

कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से भी ज्यादा खतरनाक है तस्करी और जालसाजी

आज के युवा वर्ग हीं कल के उपभोक्ता हैं, उन्हें सतर्क रहना बेहद आवश्यक

राष्ट्रीय खबर

पटना : जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है। यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं।

उपरोक्त बातें राज्य के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित कार्यक्रम जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति को संबोधित करते हुए श्री महासेठ ने जोर देकर कहा। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा, नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का बेरोकटोक बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पी सी झा ने कहा कि अवैध व्यापार गंभीर चिंता का विषय है। यह देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है, ब्रांड की पहचान को नुकसान पहुंचाता है और सबसे अहम बात कि यह नागरिकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को प्रभावित करता है। इससे निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

वहीं राजीव रंजन वर्मा, आईएएस ने जागरूकता बढ़ाना तस्करी और जालसाजी से जुड़े अवैध व्यापार से निपटने में अहम है, जिस पर मजबूती से बढ़ने की बात कही। प्रतियोगिता में पटना के 40 से अधिक स्कूलों के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

Rashtriya Sagar

कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से भी खतरनाक है तस्करी और जालसाजी : समीर महासेठ

अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी गतिविधियों के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

- **मंत्री ने फिक्की कास्केड को समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का दिया सुझाव**
- **अंतर-विद्यालयी प्रतियोगिता के विजेता स्कूली बच्चों को किया सम्मानित**

पटना : उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा कि जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं।

फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित कार्यक्रम जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति को संबोधित करते हुए श्री महासेठ ने जोर देकर कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने भारत को अवैध व्यापार से मुक्त बनाने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए फिक्की कास्केड को समय - समय पर बिहार में ऐसे युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, तस्करी और जालसाजी कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से कहीं ज्यादा खतरनाक है।दीपक कुमार सिंह, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग ने कहा कि नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का बेरोकटोक बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। तस्करी और जालसाजी से टैक्स चोरी होती है जो देश के विकास की गति को और धीमा कर देती है। उन्होंने कोई भी खरीदारी करते समय बिल लेने की जरूरत पर जोर दिया ताकि खरीद के सबूत के तौर पर उसका प्रयोग हो सके। फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पी सी झा ने कहा, अवैध व्यापार गंभीर चिंता का विषय है। यह देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है, ब्रांड की पहचान को नुकसान पहुंचाता है और सबसे अहम बात कि यह नागरिकों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को प्रभावित करता है। इससे निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। पिछले बीस वर्षों में वैश्विक स्तर पर जालसाजी की गतिविधियां 100 गुना बढ़ी हैं और यह अवैध व्यापार इस समय वैश्विक वैध व्यापार का 10 प्रतिशत (दुनिया के समग्र आर्थिक उत्पादन का लगभग 2 प्रतिशत) है।

अवैध व्यापार की समस्या आमतौर पर समझी जाने वाली समस्या से कहीं अधिक गंभीर है। राजीव रंजन वर्मा, आईएएस, पूर्व महानिदेशक, आरपीएफ, एससीआरबी, नागरिक सुरक्षा, होम गार्ड एवं अग्निशमन सेवाएं व बीपीआरएंडडी ने कहा, जागरूकता बढ़ाना तस्करी और जालसाजी से जुड़े अवैध व्यापार से निपटने में अहम है, जिस पर मजबूती से बढ़ना होगा। तस्करी और जालसाजी के खतरे से निपटने में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने तस्करी और जालसाजी से भारत को मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर फिक्की कास्केड द्वारा आयोजित अंतर - विद्यालयी प्रतियोगिता के विजेता स्कूली बच्चों को भी सम्मानित किया।

Rashtriya Sahara

तस्करी व जालसाजी कैंसर से भी घातक

एलएन मिश्रा इंस्टीट्यूट में फिक्की कास्केड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोले मंत्री समीर महासेठ

पटना (एसएनबी)। उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा कि जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा बना रहता है। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं। उक्त बातें उन्होंने ललित नारायण मिश्रा इंस्टीट्यूट में फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों पर रोक लगाने के लिए शिक्षित और जागरूकता पैदा करने जरूरी है। राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए फिक्की कास्केड को समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम को आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि तस्करी और जालसाजी कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से कहीं ज्यादा खतरनाक है।

एलएन मिश्रा इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते मंत्री समीर कुमार महासेठ व अन्य।

दीपक कुमार सिंह (अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग) ने कहा कि नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का नेरोक्टोक बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। तस्करी और जालसाजी से टैक्स चोरी होती है जो देश के विकास की गति को प्रभावित करता है। उन्होंने उपभोक्ताओं को खरीदारी के समय बिल लेने जोर दिया।

फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहा कि अवैध व्यापार गंभीर चिंता का विषय है। यह देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है। ब्रांड की पहचान को नुकसान पहुंचाता है। पिछले बीस वर्षों में वैश्विक स्तर पर जालसाजी की गतिविधियां 100 गुना बढ़ी हैं। राजीव रंजन वर्मा (आईएएस) ने कहा कि जागरूकता से ही तस्करी और जालसाजी से जुड़े अवैध व्यापार से निपटा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने तस्करी और जालसाजी से भारत को मुक्त बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर फिक्की कास्केड द्वारा आयोजित अंतर विद्यालयी प्रतियोगिता के विजेता स्कूली बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

> ■ यह न केवल अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है : दीपक कुमार

Sanmarg

कोरोना और कैंसर से भी खतरनाक है तस्करी एवं जालसाजी : समीर

पटना/कार्यालय प्रतिनिधि। तस्करी और जालसाजी कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से भी ज्यादा खतरनाक है। जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है। यह बातें उद्योग मंत्री समीर माहासेठ ने अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति (फिक्की कास्केड) को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं। श्री महासेठ ने जोर देकर कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। वहीं शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का बेरोकटोक बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। फिक्की के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पीसी झा ने कहा, अवैध व्यापार गंभीर चिंता का विषय है। इससे निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। पिछले बीस वर्षों में वैश्विक स्तर पर जालसाजी की गतिविधियां 100 गुना बढ़ी हैं और यह अवैध व्यापार इससमय वैश्विक वैध व्यापार का 10 प्रतिशत है।

Chauthivani

कैंसर से भी ज्यादा खतरनाक है तस्करी और जालसाजी : समीर महासेठ

चौथी वाणी/पटना। उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा कि जालसाजी और तस्करी की समस्या बहुत जटिल है। कोई कानूनी नियम नहीं होने और बहुत कम सहयोग के कारण उपभोक्ताओं पर असुरक्षित और अप्रभावी उत्पादों का खतरा रहता है।

उन्होंने कहा यह जरूरी है कि उपभोक्ता इस समस्या की बहुआयामी जटिलताओं को समझें। आज के युवा कल के उपभोक्ता हैं, जो अपनी पसंद और व्यवहार के माध्यम से आवश्यक बदलाव ला सकते हैं। फिक्की कास्केड (अर्थव्यवस्था को नष्ट करने वाली तस्करी और जालसाजी जैसी गतिविधियों के खिलाफ समिति) द्वारा आयोजित कार्यक्रम जालसाजी और तस्करी से निपटने के लिए निवारक रणनीति को संबोधित करते हुए श्री महासेठ ने जोर देकर कहा कि इस वैश्विक संकट से निपटने के लिए जालसाजी और तस्करी के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने भारत को अवैध व्यापार से मुक्त बनाने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए फिक्की कास्केड को समय-समय पर बिहार में ऐसे युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने आगे कहा कि तस्करी और जालसाजी कैंसर और कोविड जैसी जानलेवा बीमारियों से कहीं ज्यादा खतरनाक है।

वहीं शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि नकली उत्पाद बेचना और तस्करी का बेरोकटोक बढ़ना न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा पैदा करता है। तस्करी और जालसाजी से टैक्स चोरी होती है, जो देश के विकास की गति को और धीमा कर देती है। उन्होंने कोई भी खरीदारी करते समय बिल लेने की जरूरत पर जोर दिया ताकि खरीद के सबूत के तौर पर उसका प्रयोग हो सके। कार्यक्रम को फिक्की कास्केड के सलाहकार और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पी सी झा आदि लोगों ने भी संबोधित किया।

Sach ki Awaz

اسمگلنگ اور جعلسازی کو روکنے کیلئے بیداری ضروری: سمیر کمار مہا سیٹھ

(پی این این)

پٹنہ: وزیر صنعت سمیر کمار مہاسیٹھ نے کہا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کا مسئلہ بہت پیچیدہ ہے۔ بغیر کسی قانونی ضابطے اور کم تعاون کے صارفین غیر محفوظ اور غیر موثر مصنوعات کے خطرے میں ہیں۔ انہوں نے کہا کہ یہ ضروری ہے کہ صارفین اس مسئلے کی ہمہ جہتی پیچیدگیوں کو سمجھیں۔ آج کے نوجوان کل کے صارف ہیں، جو اپنے انتخاب اور رویے کے ذریعے ضروری تبدیلی لا سکتے ہیں۔ آج فکی کاسکیڈ (جعل سازی اور اسمگلنگ سے نمٹنے کے لیے کمیٹی) کے زیر اہتمام ایک پروگرام سے خطاب کر رہے تھے۔ جعل سازی کی سرگرمیوں کے خلاف مہاسیٹھ نے زور دیا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کے برے اثرات کے بارے میں تعلیم اور بیداری پیدا کرنا اس عالمی لعنت سے نمٹنے کی کلید ہے، یہ وقت کی ضرورت ہے۔ دیپک کمار سنگھ، آئی اے ایس، ایڈیشنل چیف سکریٹری، محکمہ تعلیم، حکومت بہار نے کہا کہ جعلی مصنوعات کی سمگلنگ اور فروخت کی بے لگام ترقی نہ صرف ہمارے ملک کی معیشت کو متاثر کرتی ہے بلکہ صحت عامہ اور حفاظت کے لیے بھی سنگین خطرہ ہے۔

پی سی جھا، مشیر، فکی کاسکیڈ اور سابق چیئرمین، سنٹرل بورڈ آف بالواسطہ ٹیکس اور کسٹمز، نے کہا، غیر قانونی تجارت ایک سنگین تشویش کا معاملہ ہے۔ یہ ملک کی معیشت کو کمزور کرتا ہے، برانڈ کی شناخت کو نقصان پہنچاتا ہے اور سب سے اہم شہریوں کی صحت اور حفاظت کو متاثر کرتا ہے۔ اس سے نمٹنے کے لیے فوری اقدامات کرنے کی ضرورت ہے۔ راجیو رنجن ورما، آئی اے ایس، سابق ڈائرکٹر جنرل، آر پی ایف اے این سی آر پی، سول ڈیفنس، ہوم گارڈز اور فائر سروسز اور بی پی آر اینڈ ڈی نے کہا کہ بیداری پیدا کرنا اسمگلنگ اور جعلسازی سے متعلق غیر قانونی تجارت کا مقابلہ کرنے کی کلید ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی کی لعنت سے نمٹنے میں نوجوانوں کا کردار اہم ہے۔

تقریب کے دوران وزیر نے ان اسکولی بچوں کو بھی مبارکباد پیش کی جنہوں نے فکی کاسکیڈ کی طرف سے منعقدہ انٹر اسکول مقابلے میں کامیابی حاصل کی تھی جس کا موضوع تھا ''ہندوستان کو اسمگلنگ اور جعل سازی سے پاک بنانے میں نوجوانوں کا کردار''۔ اس مقابلے میں پٹنہ کے 40 سے زیادہ اسکولوں کے طلباء نے پرجوش شرکت کی۔ فاتح تقریری مقابلہ: پہلی ۔ تنو کماری، کملا نہرو گرلز اسکول، دوسری ۔ سیا بھارتی، گورنمنٹ آر جی ایس ایس اسکول، باگی پور، III - ابھیشیک راج، گورنمنٹ ہائر سینئر سیکنڈری اسکول۔ فاتح پینٹنگ مقابلہ: اول ۔ رادھیکا کماری، اندرا پرساد سنگھ گرلز ہائی سیکنڈری اسکول، دوم ۔ سرشٹی رچنا، کملا نہرو گرلز اسکول، تیسرا ۔ ساگر کمار، DPCSS (طرز) سینئر سیکنڈری اسکول۔ فاتح:۔ جنگل کٹنے کا مقابلہ: پہلا ۔ جانسن کمار، کے پی سہائے شیخ پوری، دوسرا ۔ روشنی کماری، راجندرا بالیکا ودیالیہ، تیسرا ۔ منیش کمار، گورنمنٹ ہائر سینئر سیکنڈری اسکول۔

Pindar

اسمگلنگ اور جعلسازی کینسر اور کورونا جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک: سمیر کمار مہاسیٹھ

پٹنہ، 08 دسمبر (پی این ایس)۔ وزیر صنعت سمیر کمار مہاسیٹھ نے کہا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کا مسئلہ بہت پیچیدہ ہے۔ بغیر کسی قانونی ضابطے اور کم تعاون کے صارفین غیر محفوظ اور غیر موثر مصنوعات کے خطرے میں ہیں۔ انہوں نے کہا کہ یہ ضروری ہے کہ صارفین اس مسئلے کی ہمہ جہتی پیچیدگیوں کو سمجھیں۔ آج کے نوجوان کل کے صارف ہیں، جو اپنے انتخاب اور رویے کے ذریعے ضروری تبدیلی لا سکتے ہیں۔ آج فکی کاسکیڈ (جعل سازی اور اسمگلنگ سے نمٹنے کے لیے کمیٹی) کے زیر اہتمام ایک پروگرام سے خطاب کر رہے تھے۔ جعل سازی کی سرگرمیوں کے خلاف مہاسیٹھ نے زور دیا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کے برے اثرات کے بارے میں تعلیم اور بیداری پیدا کرنا اس عالمی لعنت سے نمٹنے کی کلید ہے۔ یہ وقت کی ضرورت ہے۔ انہوں نے فکی کاسکیڈ کو مشورہ دیا کہ وہ بہار میں نوجوانوں کے درمیان بیداری پروگراموں کا انعقاد کرے۔ ہندوستان کو غیر قانونی تجارت سے پاک بنانے کے اپنے مقصد کو حاصل کرنے کے لیے وقتاً فوقتاً ریاست کے نوجوانوں کو تحریک دینا ضروری ہے۔ اسمگلنگ اور جعل سازی کینسر اور کووڈ جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک ہے۔ دیپک کمار سنگھ، آئی اے ایس، ایڈیشنل چیف سکریٹری، محکمہ تعلیم، حکومت بہار نے کہا کہ جعلی مصنوعات کی سمگلنگ اور فروخت کی بے لگام ترقی نہ صرف ہمارے ملک کی معیشت کو متاثر کرتی ہے بلکہ صحت عامہ اور حفاظت کے لیے بھی سنگین خطرہ ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی ٹیکس چوری کا باعث بنتی ہے جس سے ملک کی ترقی کی رفتار مزید سست ہو جاتی ہے۔ انہوں نے کوئی بھی خریداری کرتے وقت بل لینے کی ضرورت پر زور دیا تاکہ اسے خریداری کے ثبوت کے طور پر استعمال کیا جا سکے۔ پی سی جھا، مشیر، فکی کاسکیڈ اور سابق چیئرمین، سنٹرل بورڈ آف بالواسطہ ٹیکس اور کسٹمز، نے کہا، غیر قانونی تجارت ایک سنگین تشویش کا معاملہ ہے۔ یہ ملک کی معیشت کو کمزور کرتا ہے، برانڈ کی شناخت کو نقصان پہنچاتا ہے اور سب سے اہم شہریوں کی صحت اور حفاظت کو متاثر کرتا ہے۔ اس سے نمٹنے کے لیے فوری اقدامات کرنے کی ضرورت ہے۔ عالمی سطح پر، پچھلے تین سالوں میں جعل سازی میں 100 گنا اضافہ ہوا ہے، اور یہ غیر قانونی تجارت اس وقت عالمی جائز تجارت کا 10 فیصد ہے (دنیا کی کل اقتصادی پیداوار کا تقریباً 2 فیصد)۔ اسمگلنگ کا مسئلہ اس سے کہیں زیادہ سنگین ہے جتنا کہ عام طور پر سمجھا جاتا ہے۔ ایم رحمن، آئی اے ایس، سابق ڈائریکٹر جنرل، آر پی ایف اے این سی آر بی، سول ڈیفنس، ہوم گارڈز اور فائر سروسز اور پی آر اینڈ ای نے کہا کہ بیداری پیدا کرنا اسمگلنگ اور جعلسازی سے متعلق غیر قانونی تجارت کا مقابلہ کرنے کی کلید ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی کی لعنت سے نمٹنے میں نوجوانوں کا کردار اہم ہے۔ تقریب کے دوران عزت مآب وزیر نے ان اسکولی بچوں کو بھی مبارکباد پیش کی جنہوں نے فکی کاسکیڈ کی طرف سے منعقدہ انٹر اسکول مقابلے میں کامیابی حاصل کی تھی جس کا موضوع تھا۔ "ہندوستان کو اسمگلنگ اور جعل سازی سے پاک بنانے میں نوجوانوں کا کردار"۔ اس مقابلے میں پٹنہ کے 40 سے زیادہ اسکولوں کے طلباء نے پرجوش شرکت کی۔

Hamara Samaj

اسمگلنگ اور جعلسازی ملک کیلئے کینسر سے زیادہ خطرناک

غیر قانونی تجارت ایک سنگین معاملہ ہے، یہ ملک کی معیشت کو کمزور کرتا ہے: وزیر صنعت

پٹنہ، 06 دسمبر۔ وزیر صنعت سمیر کمار مہاسیٹھ نے کہا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کا مسئلہ بہت پیچیدہ ہے۔ بغیر کسی قانونی ضابطے اور کم تعاون کے صارفین غیر محفوظ اور غیر موثر مصنوعات کے خطرے میں ہیں۔ انہوں نے کہا کہ یہ ضروری ہے کہ صارفین اس مسئلے کی ہمہ جہتی پیچیدگیوں کو سمجھیں۔ آج کے نوجوان کل کے صارف ہیں، جو اپنے انتخاب اور رویے کے ذریعے ضروری تبدیلی لا سکتے ہیں۔ آج فکی کاسکیڈ (جعل سازی اور اسمگلنگ سے نمٹنے کے لیے کمیٹی) کے زیر اہتمام ایک پروگرام سے خطاب کر رہے تھے۔ جعل سازی کی سرگرمیوں کے خلاف مہاسیٹھ نے زور دیا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کے برے اثرات کے بارے میں تعلیم اور بیداری پیدا کرنا اس عالمی لعنت سے نمٹنے کی کلید ہے، یہ وقت کی ضرورت ہے۔ انہوں نے فکی کاسکیڈ کو مشورہ دیا کہ وہ بہار میں نوجوانوں کے درمیان بیداری پروگراموں کا انعقاد کرے۔ ہندوستان کو غیر قانونی تجارت سے پاک بنانے کے اپنے مقصد کو حاصل کرنے کے لیے وہ لگاتار ریاست کے نوجوانوں کو تحریک دینا ضروری ہے۔ اسمگلنگ اور جعل سازی کینسر اور کووڈ جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک ہے۔ دیپک کمار، آئی اے ایس، ایڈیشنل چیف سکریٹری، محکمہ تعلیم، حکومت بہار نے کہا کہ جعلی مصنوعات کی سمگلنگ اور فروخت کی بے لگام ترقی نہ صرف ہمارے ملک کی معیشت کو متاثر کرتی ہے بلکہ صحت عامہ اور حفاظت کے لیے بھی سنگین خطرہ ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی ٹیکس چوری کا باعث بنتی ہے جس سے ملک کی ترقی کی رفتار مزید سست ہو جاتی ہے۔ انہوں نے کوئی بھی خریداری کرتے وقت بل لینے کی ضرورت پر زور دیا تاکہ اسے خریداری کے ثبوت کے طور پر استعمال کیا جا سکے۔

بی سی جھا، مشیر، فکی کاسکیڈ اور سابق چیئرمین، سنٹرل بورڈ آف بالواسطہ ٹیکس اور کسٹمز، نے کہا، غیر قانونی تجارت ایک سنگین تشویش کا معاملہ ہے۔ یہ ملک کی معیشت کو کمزور کرتا ہے، برانڈ کی شناخت کو نقصان پہنچاتا ہے اور سب سے اہم شہریوں کی صحت اور حفاظت کو متاثر کرتا ہے۔ اس سے نمٹنے کے لیے فوری اقدامات کرنے کی ضرورت ہے۔ عالمی سطح پر، پچھلے بیس سالوں میں جعل سازی میں 100 گنا اضافہ ہوا ہے، اور یہ غیر قانونی تجارت اس وقت عالمی جائز تجارت کا 10 فیصد ہے (دنیا کی کل اقتصادی پیداوار کا تقریباً 2 فیصد)۔ اسمگلنگ کا مسئلہ اس سے کہیں زیادہ سنگین ہے جتنا کہ عام طور پر سمجھا جاتا ہے۔

راجیو رنجن ورما، آئی اے ایس، سابق ڈائرکٹر جنرل، آر پی ایف اے این سی آر پی سول ڈیفنس، ہوم گارڈز اور فائر سروسز اور بی پی آر اینڈ ڈی نے کہا کہ بیداری پیدا کرنا اسمگلنگ اور جعلسازی سے متعلق غیر قانونی تجارت کا مقابلہ کرنے کی کلید ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی کی لعنت سے نمٹنے میں نوجوانوں کا کردار اہم ہے۔ تقریب کے دوران عزت مآب وزیر نے ان اسکولی بچوں کو بھی مبارکباد پیش کی جنہوں نے فکی کاسکیڈ کی طرف سے منعقدہ انٹر اسکول مقابلے میں کامیابی حاصل کی تھی جس کا موضوع تھا ہندوستان کو اسمگلنگ اور جعل سازی سے پاک بنانے میں نوجوانوں کا کردار۔ اس مقابلے میں پٹنہ کے 40 سے زیادہ اسکولوں کے طلباء نے پرجوش شرکت کی۔

Awaz-e-Bihar

اسمگلنگ اور جعلسازی کینسر جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک ہیں: سمیر کمار مہاسیٹھ

جعل سازی کی سرگرمیوں کے خلاف مہاسیٹھ نے زور دیا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کے برے اثرات کے بارے میں تعلیم اور بیداری پیدا کرنا اس عالمی لعنت سے نمٹنے کی کلید ہے، یہ وقت کی ضرورت ہے

پٹنہ، 06 دسمبر۔وزیر صنعت سمیر کمار مہاسیٹھ نے کہا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کا مسئلہ بہت پیچیدہ ہے۔ بغیر کسی قانونی ضابطے اور کم تعاون کے صارفین غیر محفوظ اور غیر موثر مصنوعات کے خطرے میں ہیں۔ انہوں نے کہا کہ یہ ضروری ہے کہ صارفین اس مسئلے کی ہمہ جہتی پیچیدگیوں کو سمجھیں۔ آج کے نوجوان کل کے صارف ہیں، جو اپنے انتخاب اور رویے کے ذریعے ضروری تبدیلی لا سکتے ہیں۔ آج فکی کاسکیڈ (جعلی سازی اور اسمگلنگ سے نمٹنے کے لیے کمیٹی) کے زیر اہتمام ایک پروگرام سے خطاب کر رہے تھے۔ جعل سازی کی سرگرمیوں کے خلاف مہاسیٹھ نے زور دیا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کے برے اثرات کے بارے میں تعلیم اور بیداری پیدا کرنا اس عالمی لعنت سے نمٹنے کی کلید ہے، یہ وقت کی ضرورت ہے، انہوں نے فکی کاسکیڈ کو مشورہ دیا کہ وہ بہار میں نوجوانوں کے درمیان بیداری پروگراموں کا انعقاد کرے۔ ہندوستان کو غیر قانونی تجارت سے پاک بنانے کے اپنے مقصد کو حاصل کرنے کے لیے وقتاً فوقتاً ریاست کے نوجوانوں کو تحریک دینا ضروری ہے۔ اسمگلنگ اور جعل سازی کینسر اور کوویڈ جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک ہے۔ دیپک کمار سنگھ، آئی اے ایس، ایڈیشنل چیف سکریٹری، محکمہ تعلیم، حکومت بہار نے کہا کہ جعلی مصنوعات کی سمگلنگ اور فروخت کی بے لگام ترقی نہ صرف ہمارے ملک کی معیشت کو متاثر کرتی ہے بلکہ صحت عامہ اور حفاظت کے لیے بھی سنگین خطرہ ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی ٹیکس چوری کا باعث بنتی ہے، جس سے ملک کی ترقی کی رفتار مزید سست ہو جاتی ہے۔ انہوں نے کوئی بھی خریداری کرتے وقت بل لینے کی ضرورت پر زور دیا تاکہ اسے خریداری کے ثبوت کے طور پر استعمال کیا جا سکے۔

پی سی جھا، مشیر، فکی کاسکیڈ اور سابق چیئرمین، سنٹرل بورڈ آف بالواسطہ ٹیکس اور کسٹمز، نے کہا، غیر قانونی تجارت ایک سنگین تشویش کا معاملہ ہے۔ یہ ملک کی معیشت کو کمزور کرتا ہے، برانڈ کی شناخت کو نقصان پہنچاتا ہے اور سب سے اہم شہریوں کی صحت اور حفاظت کو متاثر کرتا ہے۔ اس سے نمٹنے کے لیے فوری اقدامات کرنے کی ضرورت ہے۔ عالمی سطح پر، پچھلے بیس سالوں میں جعل سازی میں 100 گنا اضافہ ہوا ہے، اور یہ غیر قانونی تجارت اس وقت عالمی جائز تجارت کا 10 فیصد ہے (دنیا کی کل اقتصادی پیداوار کا تقریباً 2 فیصد)۔ بسمگلنگ کا مسئلہ اس سے کہیں زیادہ سنگین ہے جتنا کہ عام طور پر سمجھا جاتا ہے۔ راجیو رنجن ورما، آئی اے ایس، سابق ڈائرکٹر جنرل، آر پی ایف اے این سی آر بی، سول ڈیفنس، ہوم گارڈز اور فائر سروسز اور بی پی آر اینڈ ڈی نے کہا کہ بیداری پیدا کرنا اسمگلنگ اور جعلسازی سے متعلق غیر قانونی تجارت کا مقابلہ کرنے کی کلید ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی کی لعنت سے نمٹنے میں نوجوانوں کا کردار اہم ہے۔

Faroozi Tanzeem

اسمگلنگ اور جعل سازی کینسر اور کووڈ جیسی مہلک بیماریوں سے بھی زیادہ خطرناک ہیں: سمیر کمار مہاسیٹھ

پٹنہ (اسٹاف رپورٹر) وزیر صنعت سمیر کمار مہاسیٹھ نے کہا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کا مسئلہ بہت پیچیدہ ہے۔ بغیر کسی قانونی ضابطے اور کم تعاون کے صارفین غیر محفوظ اور غیر موثر مصنوعات کے خطرے میں ہیں۔ انہوں نے کہا کہ یہ ضروری ہے کہ صارفین اس مسئلے کی ہمہ جہتی پیچیدگیوں کو سمجھیں۔ آج کے نوجوان کل کے صارف ہیں، جو اپنے انتخاب اور روپے کے ذریعے ضروری تبدیلی لا سکتے ہیں۔ آج فکی کاسکیڈ (جعلی سازی اور اسمگلنگ سے نمٹنے کے لیے فکی) کے زیر اہتمام ایک پروگرام سے خطاب کر رہے تھے۔ جعل سازی کی سرگرمیوں کے خلاف مہاسیٹھ نے زور دیا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کے برے اثرات کے بارے میں تعلیم اور بیداری پیدا کرنا اس عالمی لعنت سے نمٹنے کی کلید ہے، یہ وقت کی ضرورت ہے، انہوں نے فکی کاسکیڈ کو مشورہ دیا کہ وہ بہار میں نوجوانوں کے درمیان بیداری پروگراموں کا انعقاد کرے۔ ہندوستان کو غیر قانونی تجارت سے پاک بنانے کے اپنے مقصد کو حاصل کرنے کے لیے وقتاً فوقتاً ریاست کے نوجوانوں کو تحریک دینا ضروری ہے۔ اسمگلنگ اور جعل سازی کینسر اور کووڈ جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک ہے۔ دیپک کمار سنگھ، آئی اے ایس، ایڈیشنل چیف سکریٹری، محکمہ تعلیم، حکومت بہار نے کہا کہ جعلی مصنوعات کی اسمگلنگ اور فروخت کی بے لگام ترقی نہ صرف ہمارے ملک کی معیشت کو متاثر کرتی ہے

بلکہ صحت عامہ اور حفاظت کے لیے بھی سنگین خطرہ ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی ٹیکس چوری کا باعث بنتی ہے جس سے ملک کی ترقی کی رفتار مزید سست ہو جاتی ہے۔ انہوں نے کوئی بھی خریداری کرتے وقت بل لینے کی ضرورت پر زور دیا تاکہ اسے خریداری کے ثبوت کے طور پر استعمال کیا جا سکے۔ پی سی جھا، مشیر، فکی کاسکیڈ اور سابق چیئرمین، سنٹرل بورڈ آف بالواسطہ ٹیکس اور کسٹمز نے کہا، غیر قانونی تجارت ایک سنگین تشویش کا معاملہ ہے۔ یہ ملک کی معیشت کو کمزور کرتا ہے، برانڈ کی شناخت کو نقصان پہنچاتا ہے اور سب سے اہم شہریوں کی صحت اور حفاظت کو متاثر کرتا ہے۔ اس سے نمٹنے کے لیے فوری اقدامات کرنے کی ضرورت ہے۔ عالمی سطح پر، پچھلے بیس سالوں میں جعل سازی میں 100 گنا اضافہ ہوا ہے، اور یہ غیر قانونی تجارت اس وقت عالمی جائز تجارت کا 10 فیصد ہے (دنیا کی کل اقتصادی پیداوار کا تقریباً 2 فیصد)۔ اسمگلنگ کا مسئلہ اس سے کہیں زیادہ سنگین ہے جتنا کہ عام طور پر سمجھا جاتا ہے۔ راجیو رنجن ورما، آئی اے ایس، سابق ڈائرکٹر جنرل، آر پی ایف اے این سی آر بی، سول ڈیفنس، ہوم گارڈز اور فائر سروسز اور بی پی آر اینڈ ڈی نے کہا کہ بیداری پیدا کرنا اسمگلنگ اور جعلسازی سے متعلق غیر قانونی تجارت کا مقابلہ کرنے کی کلید ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی کی لعنت سے نمٹنے میں نوجوانوں کا کردار اہم ہے۔

Awami News

تعلیمی بیداری سے ہی سماجی برائی کا خاتمہ ممکن

اسمگلنگ اور جعلسازی کینسر اور کووڈ جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک

Aalmi Darpan

اسمگلنگ اور جعلسازی کینسر اور کووڈ جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک ہیں: سمیر کمار مہاسیٹھ

پٹنہ، 06 دسمبر: وزیر صنعت سمیر کمار مہاسیٹھ نے کہا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کا مسئلہ بہت پیچیدہ ہے۔ بغیر کسی قانونی ضابطے اور کم تعاون کے صارفین غیر محفوظ اور غیر موثر مصنوعات کے خطرے میں ہیں۔ انہوں نے کہا کہ یہ ضروری ہے کہ صارفین اس مسئلے کی ہمہ جہتی پیچیدگیوں کو سمجھیں۔ آج کے نوجوان کل کے صارف ہیں، جو اپنے انتخاب اور رویے کے ذریعے ضروری تبدیلی لا سکتے ہیں۔

آج فکی کاسکیڈ (جعلی سازی اور اسمگلنگ سے نمٹنے کے لیے کمیٹی) کے زیر اہتمام ایک پروگرام سے خطاب کر رہے تھے۔ جعل سازی کی سرگرمیوں کے خلاف مہاسیٹھ نے زور دیا کہ جعل سازی اور اسمگلنگ کے برے اثرات کے بارے میں تعلیم اور بیداری پیدا کرنا اس عالمی لعنت سے نمٹنے کی کلید ہے۔ یہ وقت کی ضرورت ہے۔ انہوں نے فکی کاسکیڈ کو مشورہ دیا کہ وہ بہار میں نوجوانوں کے درمیان بیداری پروگراموں کا انعقاد کرے۔ ہندوستان کو غیر قانونی تجارت سے پاک بنانے کے اپنے مقصد کو حاصل کرنے کے لیے وقتاً فوقتاً ریاست کے نوجوانوں کو تحریک دینا ضروری ہے۔ اسمگلنگ اور جعل سازی کینسر اور کووڈ جیسی مہلک بیماریوں سے زیادہ خطرناک ہے۔ دیپک کمار سنگھ، آئی اے ایس، ایڈیشنل چیف سکریٹری، محکمہ تعلیم، حکومت بہار نے کہا کہ جعلی مصنوعات کی اسمگلنگ اور فروخت کی بے لگام ترقی نہ صرف ہمارے ملک کی معیشت کو متاثر کرتی ہے بلکہ صحت عامہ اور حفاظت کے لیے بھی سنگین خطرہ ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی ٹیکس چوری کا باعث بنتی ہے جس سے ملک کی ترقی کی رفتار سست ہو جاتی ہے۔ انہوں نے کوئی بھی خریداری کرتے وقت بل لینے کی ضرورت پر زور دیا تاکہ اسے خریداری کے ثبوت کے طور پر استعمال کیا جا سکے۔

پی سی جھا، مشیر، فکی کاسکیڈ اور سابق چیئرمین، سنٹرل بورڈ آف بالواسطہ ٹیکس اور کسٹمز، نے کہا، غیر قانونی تجارت ایک سنگین تشویش کا معاملہ ہے۔ یہ ملک کی معیشت کو کمزور کرتا ہے، برانڈ کی شناخت کو نقصان پہنچاتا ہے اور سب سے اہم شہریوں کی صحت اور حفاظت کو متاثر کرتا ہے۔ اس سے نمٹنے کے لیے فوری اقدامات کرنے کی ضرورت ہے۔ عالمی سطح پر، پچھلے چند سالوں میں جعل سازی میں 100 گنا اضافہ ہوا ہے، اور یہ غیر قانونی تجارت اس وقت عالمی جائز تجارت کا 10 فیصد ہے (دنیا کی کل اقتصادی پیداوار کا تقریباً 2 فیصد)۔ اسمگلنگ کا مسئلہ اس سے کہیں زیادہ سنگین ہے جتنا کہ عام طور پر سمجھا جاتا ہے۔ راجیو رنجن ورما، آئی اے ایس، سابق ڈائرکٹر جنرل، آر پی ایف اے این سی آر بی، سول ڈیفنس، ہوم گارڈز اور فائر سروسز اور بی پی آر اینڈ ڈی نے کہا کہ بیداری پیدا کرنا اسمگلنگ اور جعلسازی سے متعلق غیر قانونی تجارت کا مقابلہ کرنے کی کلید ہے۔ اسمگلنگ اور جعلسازی کی لعنت سے نمٹنے میں نوجوانوں کا کردار اہم ہے۔

تقریب کے دوران عزت مآب وزیر نے ان اسکولی بچوں کو بھی مبارکباد پیش کی جنہوں نے فکی کاسکیڈ کی طرف سے منعقدہ انٹر اسکول مقابلے میں کامیابی حاصل کی تھی جس کا موضوع تھا۔ ہندوستان کو اسمگلنگ اور جعل سازی سے پاک بنانے میں نوجوانوں کا کردار۔ اس مقابلے میں پٹنہ کے 40 سے زیادہ اسکولوں کے طلباء نے پرجوش شرکت کی۔

فاتح تقریری مقابلہ:

پہلا – تنو کماری، کملا نہرو گرلز اسکول، دوسرا – سیا بھارتی، گورنمنٹ آر جی ایس ایس اسکول، باگی پور، تیسرا – ابھیشیک راج، گورنمنٹ بوائز سینئر سیکنڈری اسکول

فاتح پینٹنگ مقابلہ:

اول – رادھیکا کماری، اندرا پرساد سنگھ گنگا سکھی ہائی سیکنڈری اسکول، دوم – سرشٹی رچنا، کملا نہرو گرلز اسکول، سوم – ساگر کمار، DPCSS (طرز) سینئر سیکنڈری اسکول

فاتح جنگل لکھنے کا مقابلہ:

پہلا – جانسن کمار، کے پی سہائے شیخ پوری، دوسرا – روشنی کماری، راجندرا بالیکا ودیالیہ، تیسرا – منیش کمار، گورنمنٹ بوائز سینئر سیکنڈری اسکول